TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

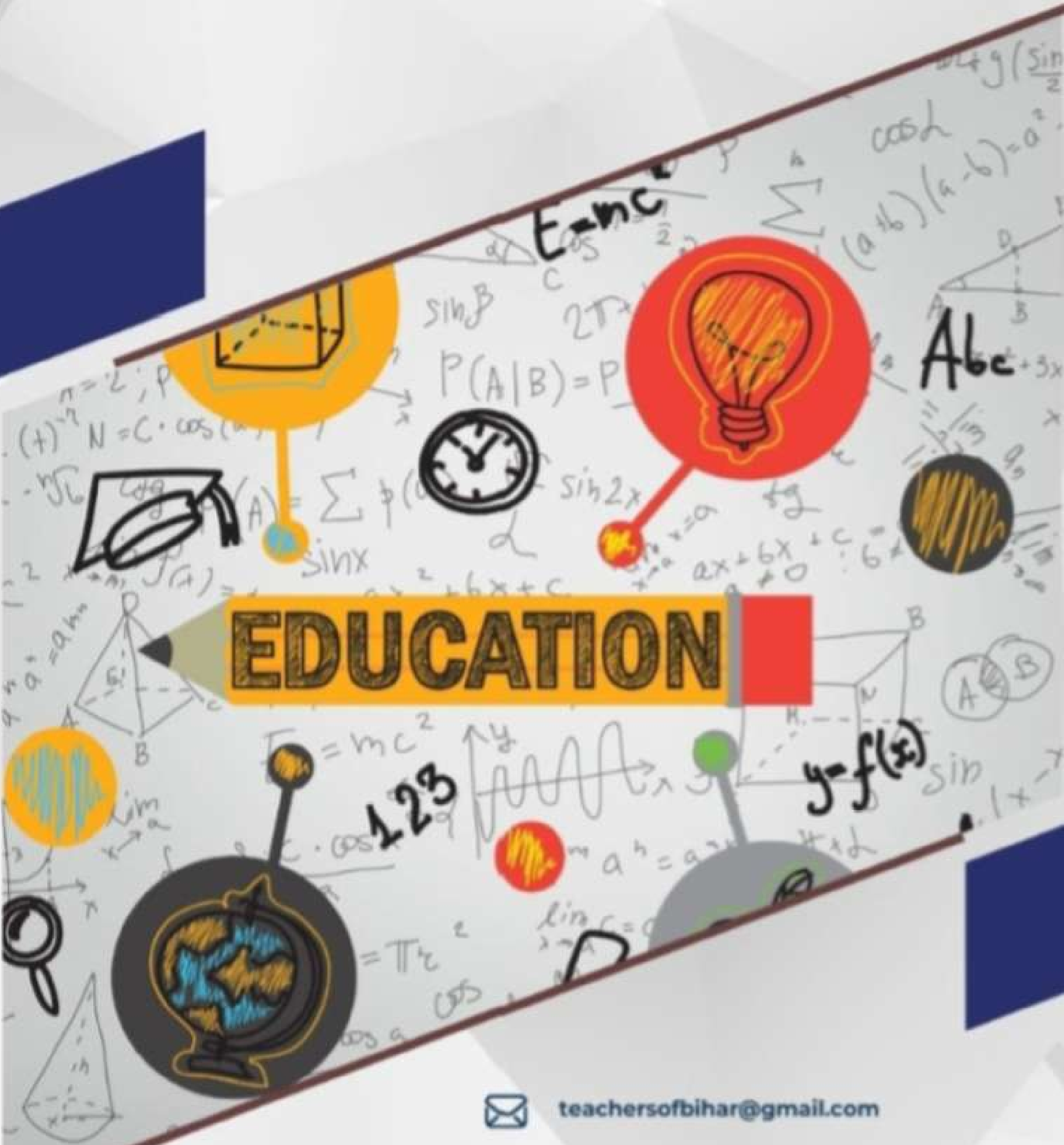

teachersofbihar@gmail.com

https://twitter.com/teachersofbihar

https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

02 नवंबर 2025

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

जो व्यक्ति प्रश्न पूछता है वह एक मिनट के लिए मूर्ख होता है और जो प्रश्न नहीं पूछता वह जीवन भर मूर्ख रहता है।

सुकरात

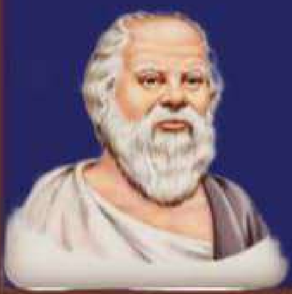

राकेश कुमार

www.teachersofbihar.org

मधु प्रिया

महेन्द्रलाल सरकार का जन्म 2 नवम्बर

महेन्द्रलाल सरकार का जन्म कलकता के पास पाइकपाड़ा (मुसिरहाट) नामक गाँव में हुआ था जो हावड़ा जिला के अन्तर्गत आता था। उनके पिताजी का नाम तारकनाथ सरकार था। कम आयु में ही उनके माता-पिता का देहान्त हो गया। जब वे 5 वर्ष के थे तो उनके पिता का देहान्त हो गया और जब 9 वर्ष के थे उनकी माँ का निधन हो गया। उनकी माँ उनके मामा के घर कोलकाता में आ गयीं थीं और उनकी मृत्यु के पश्चात उनका पालन-पोषण अपने मामा के घर ही हुआ जो कलकाता के नेबूतला में था। भारत के एक चिकित्सक, समाजसुधारक, तथा वैज्ञानिक चेतना के प्रसारक नेता थे। 'इण्डियन एसोसियेशन फॉर द कल्टिवेशन ऑफ साईन्स' की स्थापना उन्होने ही की थी। वे कलकता मेडिकल कॉलेज के दूसरे स्नातक मेडिकल डॉक्टर थे। यद्यपि उन्होने एलोपैथी की शिक्षा ली थी, उन्होने होमियोपैथी को अपनाया और उसी के माध्यम से चिकित्सा की। अपने व्यावसायिक जीवन में उन्होने उस युग के कई महान व्यक्तियों की चिकित्सा की थी, जैसे- बंकिमचन्द्र चट्टोपाध्याय, रामकृष्ण परमहंस, त्रिपुरा के महाराज आदि। 1840 में एक नि:शुल्क छात्र के रूप में हेयर स्कूल में दाखिला ले लिया । 1849 में, उन्होंने जूनियर छात्रवृत्ति परीक्षा उत्तीर्ण की और हिंदू कॉलेज में शामिल हो गए , जहां उन्होंने 1854 तक अध्ययन किया। उस समय, हिंदू कॉलेज में शिक्षण की सुविधाएं नहीं थीं। विज्ञान और चूँकि वह चिकित्सा का अध्ययन करने पर आमादा थे, इसलिए उन्होंने कलकत्ता मेडिकल कॉलेज में स्थानांतरित हो गए ।वह कलकत्ता विश्वविद्यालय के फेलो और मानद मजिस्ट्रेट और कलकत्ता के शेरिफ (1887) थे। उन्हें 1883 में सीआईई बनाया गया और 1898 में कलकत्ता विश्वविद्यालय द्वारा डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया ।23 फ़रवरी 1904 को इनकी मृत्यु हो गई।

जन्मदिन विशेष 02 नवंबर

भारत के गौरव, ओलंपिक पदक विजेता, पहलवान

योगेश्वर दत्त जी

को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

योगेश्वर दत्त (जन्म: **2** नवंबर **1982**) एक भारतीय कुश्ती खिलाड़ी हैं। इन्होंने **2012** ग्रीष्मकालीन ऑलंपिक्स में कुश्ती की **60** किग्रा फ्रीस्टाइल स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था। स्कॉटलैंड के ग्लास्गो में आयोजित कॉमनवेल्थ गेम्स **2014** में योगेश्वर दत्त ने **65** किलोग्राम भार वर्ग में फ्रीस्टाइल कुश्ती में कनाडाई पहलवान को हराकर भारत के लिए स्वर्ण पदक जीता। **2012** में भारत सरकार द्वारा इन्हें राजीव गाँधी खेल रत्न का सम्मान दिया गया।

लाभ और हानि (profit and loss)

विशेष सूत्र (special formulae)

Trick -8

यदि कोई दुकानदार क्रय मूल्य पर ही वस्तुओं को बेचते हुए 1 किलो के स्थान पर x ग्राम का इस्तेमाल करता है ,तो उसका प्रतिशत लाभ

$$= \frac{(1000-x)}{x} \times 100$$

जैसे -एक फल विक्रेता सभी फलों को क्रय मूल्य पर ही बेचता है। लेकिन वह 1 किलो के बाट के स्थान पर 900 ग्राम के बाट का ही प्रयोग करता है। वह प्रति किलो कितने प्रतिशत लाभ कमाता है?

$$\text{प्रतिशत लाभ} = \frac{1000-900}{900} \times 100$$

$$= \frac{100 \times 100}{900} = 11\frac{1}{9}\ \%$$

Anu Priya, Science Teacher

TOB
खेल कॉर्नर

विमेंस वनडे का सबसे बड़ा रन चेज

टीम	स्कोर	खिलाफ	जगह	साल
IND	341/5	AUS	मुंबई (DY पाटिल)	2025
AUS	331/7	IND	वाइजैग	2025
SL	305/4	SA	पोटचेफस्ट्रूम	2024
AUS	289/6	NZ	नॉर्थ सिडनी	2012
AUS	285/4	IND	वानखेड़े	2023
AUS	282/2	IND	न्यू चंडीगढ़	2025

विमेंस वर्ल्ड कप फाइनल में भारत

खिलाफ	नतीजा	साल
ऑस्ट्रेलिया	98 रन से हारा	2005
इंग्लैंड	9 रन से हारा	2017
साउथ अफ्रीका	2 नवंबर को मैच	2025

Teachers of Bihar
The Change Makers

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द 02.11.2025

कक्षा प्रबंधन कौशल

कक्षा प्रबंधन कौशल उन तकनीकों और क्षमताओं का समूह है जिनका उपयोग शिक्षक कक्षा में सीखने के लिए सकारात्मक और उत्पादक वातावरण बनाने के लिए करते हैं। इन कौशलों का उद्देश्य व्यवधानों को कम करना, छात्रों को जोड़े रखना और प्रभावी शिक्षण सुनिश्चित करना है।

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

सूरत के रहने वाले बाबू भाई जिरावाला ने माता की पुण्यतिथि पर गांव के 290 किसानों को कर्ज चुकाया। इसके लिए उन्होंने 90 लाख रुपये दान किए। उनकी इस मानवीय पहल से गांव के सभी किसान कर्जमुक्त हो गए।

राकेश कुमार

Teachers Of Bihar

आओं सीखें

कला

जब कोई काम सुंदर ढंग से और कल्पना के साथ किया जाए, तो उसे कला कहते हैं। दूसरे शब्दों मे कला का अर्थ काम मे सुंदरता और भाव भरना ।

जैसे – चित्र बनाना, नाचना, गाना, सजावट करना।

कौशल

जब कोई काम सही तरीके और निपुणता से किया जाए, तो उसे कौशल कहते हैं। दूसरे शब्दों मे कौशल का अर्थ काम को ठीक, जल्दी और समझदारी से करना ।

जैसे – ठीक से बोलना, सिखाना, या मशीन चलाना।

संक्षेप में :-

- कला = मन की सुंदरता दिखाती हैं।
- कौशल = हाथ की निपुणता दिखाता हैं।

www.teachersofbihar.org

पद्य पंकज

वे मुस्कराते फूल नहीं,
जिनको आता है मुरझाना।
वे तारों के दीप नहीं,
जिनको भाता है बुझ जाना।
वे नीलम के मेघ नहीं,
जिनको है घुल जाने की चाह।
वह अनंत ऋतुराज नहीं
जिसने देखी जाने की राह।

महादेवी वर्मा(आधुनिक मीरा)

Madhu priya

www.padyapankaj.teachersofbihar.org

जयंती पर नमन

महेन्द्रलाल सरकार

जन्म 2 नवंबर 1833

मृत्यु 23 फरवरी 1904

Madhu priya

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

जन्मदिवस पर हार्दिक शुभकामनाएं

HAPPY BIRTHDAY

ममता कालिया

02 नवम्बर 1940

Madhu priya

www.teachersofbihar.org